B.M.A COLLEGE , BAHERI,DARBHANGA
(A CONSTITUENT UNIT OF LNMU)
BA DEGREE-2
HISTORY (SUB./GEN.)
UNIT-3(A)
DEPARTMENT OF HISTORY
PANKAJ KUMAR MISHRA
DATE-06/10/2020

TOPIC- प्लासी के युद्ध का महत्व एवं परिणाम

{IMPORTANCE AND RESULT OF THE BATTLE OF PLASSEY}

PART-1

Scanned with CamScanner

प्लासी के युद्ध का महत्व एवं परिणाम

प्लासी के परिणामों को लेकर इतिहासकारों ने कई स्थापनाएँ दी हैं–

- मैलसन के अनुसार "प्लासी का युद्ध भारत के निर्णायक युद्धों में से एक था।"
- ताराचंद के शब्दों में "प्लासी के युद्ध से परिणामों की लंबी श्रृंखला शुरू हुई जिसने भारत का स्वरूप बदल दिया।"
- के० एम० पणिक्कर के अनुसार "प्लासी एक सौदा था जिसमें बंगाल के कुछ धनी स्वार्थी लोगों ने अपना देश अंग्रेजों को बेच दिया।"

राजनैतिक महत्व

- मीरजाफर को नवाब बनाने से बंगाल में संरक्षित राज्य स्थापित हुआ। उसी से भारत में ब्रिटिश राज्य का निर्माण संभव हो सका।
- बंगाल में अंग्रेजों की सर्वोच्चता स्थापित की गई। अंग्रेज, राजा निर्माता के रूप में जाने गए।
- प्लासी की विजय ने EIC के स्वरूप में परिवर्तन ला दिया। अब यह केवल व्यापारिक कंपनी न रहकर राजनीतिक सत्ता हो गई।
- अंग्रेजों को भारतीय राजनीति की दुर्बलताओं के विषय में सही ज्ञान हो गया। वे जान गए कि स्वार्थी असंतुष्ट अधिकारियों एवं व्यापारियों के साथ षड्यंत्र कर अपने साम्राज्य का विस्तार कर सकते हैं।
- अंग्रेजों के लिए साम्राज्य विस्तार का मार्ग खुल गया। बंगाल एक उपजाऊ एवं समृद्धशाली प्रदेश था। दिल्ली से दूर होने के कारण बंगाल अन्य शक्तियों के प्रभाव से दूर रह सकता था।
- इस युद्ध ने मुगल साम्राज्य की दुर्बलता को प्रकट कर दिया। मुगल सम्राट अपने अधीन एक सूबेदार को एक विदेशी व्यापारिक संस्था द्वारा हटाए जाने के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं कर सका।
- बंगाल से डचों और फ्रांसीसियों की शक्ति को अंग्रेजों ने नष्ट कर दिया जो भारत में उनके लिए चुनौती बन सकती थीं।

Scanned with CamScanner

सैनिक महत्व

- प्लासी में अंग्रेजों की एक छोटी प्रशिक्षित सेना ने एक बड़ी भारतीय सेना के ऊपर विजय प्राप्त की। इससे यह सिद्ध हो गया कि भारतीय सेना एक भीड़ है जिसे आसानी के साथ तितर-बितर किया जा सकता है।

- मीरजाफर ने अंग्रेजों को बारूद के स्रोतों पर एकाधिकार प्रदान किया। इससे अंग्रेजों का तोपखाना और शक्तिशाली हुआ।

6/10/2020